महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा–योजना

कला संकाय

बी.ए. पार्ट – II

विषय – संस्कृत

परीक्षा 2020

(सत्र 2019–2020)

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

बी.ए. पार्ट – II विषय – संस्कृत

सामान्य निर्देशः

1. प्रश्न–पत्र में कुल तीन खण्ड होंगे। खण्ड 'अ' में सभी 10 प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। खण्ड 'ब' में कुल 7 प्रश्न होंगे व परीक्षार्थी केवल 5 प्रश्नों के उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा। खण्ड 'स' में कुल 4 प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी इनमें से किसी दो प्रश्नों का उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।
2. परीक्षा का माध्यम संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
3. प्रश्नपत्र केवल संस्कृत में बनाया जाएगा।
4. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं। अन्य प्रश्नों के उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिए जा सकते हैं।
5. संस्कृत एवं हिन्दी के लिए देवनागरी लिपि ही मान्य होगी।
6. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययनाध्यापन का माध्यम संस्कृत हो।

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा–योजना

दो प्रश्नपत्र		**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 72**	**पूर्णाङ्क 200**
प्रथम प्रश्नपत्र	**समय 3 घंटे**	**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 36**	**पूर्णाङ्क 100**
द्वितीय प्रश्नपत्र	**समय 3 घंटे**	**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 36**	**पूर्णाङ्क 100**

प्रथम प्रश्नपत्र – नाटक, छन्द, संस्कृतसाहित्येतिहास एवं व्याकरण पूर्णाङ्क 100

इकाई–1.**नाटक – अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – (कालिदास) 1से 4 अंक

इकाई–2. **नाटक – अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – (कालिदास) 5 से 7 अंक

इकाई–3. **छन्द** – अभिज्ञानशाकुन्तलम में प्रयुक्त सभी छन्द (लक्षण एवं उदाहरण सहित)

इकाई–4. **व्याकरण :– प्रमुख कृत्, तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय**

(i) **कृत् प्रत्यय** प्रकरण से निर्धारित प्रत्यय – तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, तृच्, ण्वुल्, क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्युट्, शतृ, शानच्, तुमुन्, ल्यप् (इन प्रत्ययों के विधायक सूत्रों का सोदाहरण अर्थज्ञान अपेक्षित है)।

(ii) **तद्धित**–मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्। (इन प्रत्ययों के विधायक सूत्रों का सोदाहरण अर्थज्ञान अपेक्षित है)।

(iii) **स्त्रीप्रत्यय** – 1. अजाद्यतष्टाप्, 2. उगितश्च, 3. टिड्ढाणञ्०, 4. वयसि प्रथमे, 5. पुंयोगादाख्यायाम् 6. शाङ्र्गरवाद्यञो ङीन् 7. स्वाङ्गाच्चोपसर्जनाद्, 8. जातेरस्त्रीविषयादयोपधात् 9. ऊङुतः 10. यूनस्तिः (इन सूत्रों का सोदहरण अर्थज्ञान)

इकाई–5.**संस्कृत साहित्य का इतिहास**

(क) वीर काव्य

(ख) काव्य (ऐतिहासिक काव्यों सहित)

(ग) गीतिकाव्य

(घ) गद्यकाव्य

(ङ) नाट्य साहित्य

(च) कथा साहित्य

अ परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से किया जाए।
2. प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
3. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को प्रमाण न मानें।

ब. परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखे।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – सुबोध चन्द्र पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – पं. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. प्रभाकर शास्त्री एवं रूपनारायण त्रिपाठी
6. अभिज्ञानशाकुन्तलम् व्याख्या – राधाबल्लभ त्रिपाठी, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – रमा संस्कृत टीका व अनु. डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कान्तानाथ शास्त्री तैलंग, चौखम्बा प्रकाशन
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
10. संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास – रामविलास चौधरी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्या भवन

12. संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामजी उपाध्याय
13. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
14. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास
15. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – पाण्डेय एवं व्यास
16. छन्दोमञ्जरी
17. सद्वृत्तालंकार – डॉ. हिन्दकेसरी
18. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
19. संस्कृतसाहित्येतिहासः – रामचन्द्र झा, चौखम्बा प्रकाशन
20. संस्कृतसाहित्येतिहासः – बलदेव उपाध्याय, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न–पत्र – वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण पूर्णाङ्क 100

पाठ्यक्रम

इकाई–1 **ऋक्सूक्त** – ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त अध्ययनके लिए निर्धारित हैं–

1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3. सूर्य (1.115) 4. विष्णु (1.154)
5. इन्द्र (2.12) 6. प्रजापति (10.121) 7. संज्ञान (10.191)

इकाई–2 **ईशावास्योपनिषद्** – यजुर्वेद का 40वां अध्याय

इकाई–3 **गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश** (कादम्बरीतः) गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद और सामान्य प्रश्न

इकाई–4 (अ)**वाच्य** – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य; वाच्यों का सामान्यज्ञान एवं वाच्य परिवर्तन

(आ)**समासज्ञान** – निम्नलिखित सूत्रों के आधार पर –

सह सुपा, अव्ययं विभक्ति०, नदीभिश्च, द्वितीया श्रितातीत०, तृतीयातत्कृतार्थेन०, चतुर्थी तदर्थार्थ०, पञ्चमी भयेन, षष्ठी, तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, उपमानानि सामान्यवचनैः, कुगतिप्रादयः, दिक्संख्ये संज्ञायाम्, संख्यापूर्वो द्विगुः, अनेकमन्यपदार्थे, चार्थे द्वन्द्वः, पिता मात्रा।

समास विषयक सामान्य प्रश्न : समास का अर्थ, विग्रह, समास के भेद, अव्ययीभाव आदि की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई–5 **व्याकरण– कारक प्रकरण** के निम्नलिखित सूत्र पठनीय हैं–

1. प्रातिपदिकार्थ–लिङ्गपरिमाणवचन–मात्रे प्रथमा।
2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म
17. क्रुध–द्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः
18. नमः स्वस्ति–स्वाहा–स्वधाऽलं–वषड्–

योगाच्च

3. कर्मणि द्वितीया
4. अकथितं च
5. अधि–शीङ् स्थाऽऽसां कर्म
6. उपान्वध्याङ्वसः
7. अभितः परितः समया–निकषा–हा–प्रतियोगेऽपि
8. अन्तराऽन्तरेण युक्ते
9. साधकतमं करणम्
10. कर्तृकरणयोस्तृतीया
11. सहयुक्तेऽप्रधाने
12. येनाङ्गविकारः
13. इत्थंभूतलक्षणे
14. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्
15. चतुर्थी सम्प्रदाने
16. रुच्यर्थानां प्रीयमाणः
19. ध्रुवमपायेऽपादानम्
20. अपादाने पञ्चमी
21. भीत्रार्थानां भयहेतुः
22. वारणार्थानामीप्सितः
23. षष्ठी शेषे
24. षष्ठी हेतु–प्रयोगे
25. आधारोऽधिकरणम्
26. सप्तम्यधिकरणे च
27. यस्य च भावेन भावलक्षणम्
28. यतश्च निर्धारणम्
29. पञ्चमी विभक्तेः

सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या तथा वाक्यों में रेखाङ्कित पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायकसूत्र–लेखन

अ परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से किया जाए।
2. प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड स के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
3. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को प्रमाण न मानें।

ब परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखे।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
2. ऋक्सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
3. वैदिकसूक्तरत्नावली – लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
4. वैदिकसूक्तरत्नावली – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
5. वैदिक सूक्त–सुधा – डॉ. प्रद्युम्न द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन

6. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री
7. सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरणम् – डॉ. कलानाथ झा, चौखम्बा प्रकाशन
8. कारक–दीपिका – पं. मोहनवल्लभ पंत, रामनारायण बेणीमाधव
9. कारकप्रकरणम् (सि.कौ.) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश पुस्तकालय
10. कारकप्रकरणम् (सि.कौ.) – डॉ. रामरंग शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
11. शुकनासोपदेशः – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
12. शुकनासोपदेशः – डॉ. रामनारायण झा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
13. शुकनासोपदेशः – सुदेश नारंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन
15. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
16. प्रौढरचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
17. हायर संस्कृत ग्रामर – एम.आर. काले
18. समासदर्शिनी – संस्कृत भारती, दिल्ली
19. व्याकरण चन्द्रोदय (कारक एवं समास) चारुदेवशास्त्री
20. संस्कृतव्याकरण – बाबूराम सक्सेना
21. ईशावास्योपनिषद् – तारिणीश झा
22. ईशावास्योपनिषद् – डा. सुभाष वेदलंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर